sicut दापयामि a दा et दे; विप्; वेप्; germ. vet. *WAB* texere (*wibu, wab, wâbumês*); gr. ὑφαίνω.)

c. आ spargere, objicere, offerre. Mah. 3.17341.: वर्षम् आवपतां श्रेष्ठं, बीजान् निवपतां वरम्; 3.105.: अभ्यश्च ... वयोभ्यश्च "वपेद् भुवि (अन्नम्); *v.* praeff. नि, निस्.

c. उत् extollere, levare. Rigv. 116.11.

c. नि deponere, offerre. Man. 3.216.: न्युप्य पिण्डान्.

c. निस् spargere, effundere, objicere, offerre. Man. 3.214.: निर्वपेद् उदकम् भुवि; 6.5.: एतान् एव महायज्ञान् निर्वपेत्; 9.140.: मातुः प्रथमतः पिण्डन् निर्वपेत्. *Omissâ cibum exprimente voce.* Man. 3.92.: शुनाञ्च ... निर्वपेद् भुवि.

c. प्र *i. q. simpl.* Dr. 8.10.: शिरांसि पादत्राणां बीजवत् प्रवपन्.

c. प्रति obserere, conserere, *trop.* ornare. Ragh. 17.23.: मौलिम् प्रत्युपुः पद्मरागेण.

वपा *f.* medulla. R. Schl. I. 13.39.

वपुष्मत् (a वपुस् s. मत्, v. *euph. r.* 101[a].) formosus, pulcher. Su. 3.17. Sa. 5.7.

वपुस् *n.* (r. वप् s. उस्) corpus, forma, species. N. 13.52. 19.28. 24.42. 26.30. H. 3.13.

वभ्र् v. बभ्र्.

वम् 1. *P.* vomere. R. Schl. I. 28.26.: ववाम रुधिरम् भूरि; Dev. 2.58.: वेमुश्च केचिद् रुधिरम् (v. gr. 441.); Dr. 5.20.: क्रोधविषं वमन्तौ — वान्त qui vomuit. Man. 5.144. (Lat. *vomo*, lith. *wémju* id., gr. ἐμέω, germ. vet. *wemmiu* polluo.)

c. उत् evomere. N. 20.30.: विषम् ... मुखात् सततम् उद्वमन्.

वय् 1. *A.* (गतौ) ire.

वयम् nos (gr. 264.).

वयस् *n.* (r. वय् s. अस्) 1) aetas, *praesertim* florens, integra aetas, adolescentia, juventus. N. 1.11. Sa. 1.4. Ragh. 3.70. 2) avis (v. वि). Nalod. 1.27. schol. (Cambro-brit. *aes* avis, nisi hoc a lat. *avis*, v. Pictet p. 60.)

वयस्य *m.* (a praec. s. य) amicus. Ur. 50.3. Sak. 53.3. *infr.*

वर् 10. *P. A.* वरयामि, °ये. 1) eligere. N. 4.30.: त्वां वरयिष्यामि; Sa. 1.24.: ताम् ... न कश्चिद् वरयामास. *Cum 2. acc.* R. Schl. I. 1.48.: सहायं वरयामास मारीचिम्. *Cum locat. nominis abstracti.* N. 2.61.: तेषाम् अन्यतमम् देवम् पतित्वे वरयस्व; *cum dat.* R. Schl. I. 11.2.: तं विप्रं यज्ञाय वरयामास. 2) in matrimonium petere *aliquam ab aliquo, c. 2. acc.* R. Schl. I. 36.16.: ज्येष्ठाम् ... सुराः सर्वे शैलेन्द्रं वरयामासुः; Mah. 3.8571.: वरये त्वाम् ... लोपामुद्राम् प्रयच्छ मे. (Huc vel ad 2. वृ, quod correptum est e वर् (v. gr. min. 12.), pertinent lat. *volo*, gr. βούλομαι, ἐράω, ἔραμαι. goth. *vil-ja* volo, praet. *vil-da*, *ga-val-ja* eligo, *wähle*; lith. *wálě* voluntas, *wéliju* malo, *wélijimas* desiderium; russ. *vólju* volo, desidero, *vólja* voluntas, *volitelj* amator; *vy-bir-a-tj* eligere, *iz-br-a-tj* id., *vy-bor* electio; fortasse lith. *myliu* amo et russ. *miluju* misereor, mutato *v* in *m* sicut in lat. *melior*, v. वरीयस्.)

वर (r. वृ vel वर् suff. अ) *Adj.* 1) eximius, egregius, praeclarus, excellens, insignis. N. 3.18.: वराङ्गनाः praeclarae feminae (cf. 12.61.: परमाङ्गना); Lass. 53.15.: वरास्त्राः; In. 5.45. Su. 4.11. 2) optimus, excellentissimus. Mah. 3.17341. 3) melior *c. abl.* Mah. 1.4030.: त्वम् एवै 'कः शताद् अपि वरः सुतः. *Subst. n.* melius, *in locutionibus ut* वरम् मृत्युर् ना'कीर्तिः melius (est) mors non infamia = melior est mors infamiâ (Up. 13.): वरम् प्राणत्यागो नच पिशुनवादेष्व् अभिरतिः. Hit. 31.9. 10.15.16.17.18. — *Subst. m.* 1) electio. 2) beneficium, donum, munus electum, a deo vel Brahmano impertitum vel impertiendum. Su. 1.18. Sa. 6.39.40. *Etiam masc.* Su. 1.28. 3) vir (elector conjugis). Sa. 1.28. (Hib. *fear* Adj. «good», Subst. «a man, husband», lat. *vir*, goth. *vair* id. (Them. *vaira*), debilitato *a* in *i*, praefixo *a* secundum generalem regulam, v. gr. comp. 82.; lith. *wyra-s* id.)

वरवर्णिनी *f.* (a वरवर्ण - वर + वर्ण - suff. इन् cum